# विश्व न्याय मन्दिर

21 मार्च 2011

प्रभुधर्म के पालने के अनुयायियों को

परमप्रिय मित्रगण

उपवास के पावन आशीर्वादित दिनों के समापन और नववर्ष के शुभारम्भ पर, प्राचीन और मांगलिक फ़ारसी त्यौहार नवरूज़ के अवसर पर हम उस सर्वदयामय के निष्ठावान आप सब सेवकों को और आपके माध्यम से सम्पूर्ण ईरानी राष्ट्र को अपनी हार्दिक बधाइयाँ प्रेषित करते हैं।

प्रत्येक राष्ट्र में यह परम्परा रही है कि आम रूप से उल्लास प्रकट करने और उत्सव मनाने का एक दिन निश्चित किया जाय जब लोग एक साथ मिलकर आनन्द और उल्लास के माहौल में अपने स्नेह सम्बंधों को और अधिक मजबूत करें। नवरूज़ का त्यौहार ईरान की प्राचीन भूमि की उसी वैभवशाली परम्परा और यहाँ के लोगों की आत्मीय महानता तथा विशिष्टता का प्रतीक है। समय के साथ-साथ और भी प्रतिष्ठित यह परम्परा हर एक के लिए प्रेम और स्नेह प्रदर्शित करने, ईर्ष्या-द्वेष और शत्रुता छोड़ने तथा अपने अन्दर और बाहर एक परिवर्तन लाने का प्रयास करने का अवसर है। बहुत ही आरम्भिक समय से ईरान के लोग इस वैभवशाली दिवस को श्रद्धेय और पावन मानते रहे हैं। पूरी दुनिया में, 200 से भी अधिक देशों और प्रदेशों में फैले विभिन्न मूल और समुदाय के बहाई भी इसी महिमाशाली दिन को नवरूज़ के नाम से ही मनाते हैं और अब्दुल बहा के परामर्शों का पालन करने का प्रयास करते हैं ताकि इस पावन दिवस का प्रतिफल केवल ”सुखोपभोग के फलों तक ही सीमित“ न रह जाए बल्कि यह आम लोगों के कल्याण और प्रगति के उद्देश्य से महान कार्यों का भी नेतृत्व कर सके।

अभी-अभी समाप्त हुआ वर्ष आपके प्रति हुए अन्याय, अत्याचार और आपके भीषण संकट का साक्षी रहा है। इस अन्याय और शोषण के लिए मुख्य रूप से वे लोग ज़िम्मेदार हैं जिनके हृदय और जिनकी आत्मा पर अज्ञान और कट्टरता का अंधकार छाया है और जो उदारता और सद्गुणों से पूरी तरह खोखले हो चुके हैं। वे अपने ही भाई-बन्धुओं के प्रति क्रूरता और हिंसा के साधन बन चुके हैं और उन्होंने अपने ही हाथों अपनी आत्मा को दिव्य आशीषों से वंचित कर लिया है, आपके देश के अन्य लोग आपकी निर्दोषिता और बेगुनाही को समझते हैं और अपने हृदय से निष्ठापूर्वक चाहते हैं कि आपको न्याय मिले किन्तु मौजूदा सैन्य माहौल में वे अपने वरिष्ठ अधिकारियों का निर्देश मानने को विवश हैं और इस तरह अनिच्छा से आपके विरूद्ध इस साजिश में भागीदार बन गए हैं।

इसके बावजूद हम ईश्वर को धन्यवाद देते हैं कि इस वर्ष के दौरान आपने देखा कि आपके देश और इसकी सीमाओं से बाहर के असंख्य सहृदय, निष्पक्ष और विवेकशील

इरानियों ने हृदय से आपके प्रति एकजुटता दिखाई, आपके जायज़ अधिकारों के समर्थन में नागरिक समाज के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों ने आवाज़ उठाई, आपके समर्थन में अनेक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों ने अनेक प्रस्ताव पारित किए, अनेक घोषणाएँ जारी कीं, अपने शांत और रचनात्मक प्रतिरोध के लिए आपको पूरे विश्व की सराहना मिली। दुनिया भर में आपके आध्यात्मिक बंधु आपकी सेवा और बलिदान के उदाहरण से प्रेरणा ग्रहण कर संकल्प और दृढ़ता के साथ सेवा के क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं और उस कृपानिधान ईश्वर के द्वार पर अपनी प्रार्थनाओं में हमेशा आपका स्मरण करते हैं।

यह जानकर हमें अत्यंत प्रसन्नत्ता हुई कि रिज़वान 2010 के संदेश से आप भी लाभान्वित हुए। पूरी दुनिया में उस आशीर्वादित सौन्दर्य के अनुयायियों ने, लोगों को स्वयं अपने आध्यात्मिक, सामाजिक और बौद्धिक विकास का दायित्व उठाने में सक्षम बनाकर पाँच वर्षीय योजना के प्रावधानों को लागू करने में जो सफलता प्राप्त की है, उस उपलब्धि ने आपको प्रभावित किया। और जैसा कि उस संदेश में उल्लेख किया गया था, आपने स्वयं भी, जहाँ तक सम्भव हुआ, इस दिव्य कार्य में अपना सहयोग दिया। रिज़वान 2011 से इस महत्वपूर्ण अभियान का अगला चरण आरम्भ होगा, जिसमें पूरा बहाई जगत जुटा है। महाद्वीपीय सलाहकारों के नाम 28 दिसम्बर 2010 के हमारे संदेश में योजना से जुड़ी आवश्यकताओं का उल्लेख किया गया है। पूरी दुनिया के बहाई बड़ी उत्सुकता से इस चरण के लक्ष्यों के पूरा होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। आप में से हर एक, चाहे वह बालक हो या वृद्ध, निश्चित रूप से पूरे संलल्प के साथ, सेवा के इस पथ पर जहाँ तक सम्भव हो, आगे बढ़ना चाहेगा, चाहे यह अपने व्यक्तिगत आध्यात्मिक दायित्वों को पूरा करने के माध्यम से हो या फिर सामने आने वाले अन्य दायित्वों को उठाने के माध्यम से।

आज पूरी दुनिया संकट के दौर से गुज़र रही है और परिवर्तन की लहर पूरी गति और तीव्रता से चल रही है, विश्व की सदियों पुरानी व्यवस्था छिन्न-भिन्न हो रही है और मानवीय सम्बन्धों को हर एक स्तर पर आ रहा व्यापक बदलाव फिर से जीवन के प्रत्येक पहलू पर मौलिक चिंतन का आह्वान करता है यही बात ईरानी समाज पर भी समान रूप से लागू होती है। विचार करें कि कैसे यहाँ के लोग एक प्रगतिशील समाज की स्थापना के लिए संघर्ष कर रहे हैं और इस लक्ष्य को पाने के लिए हर प्रकार की पीड़ा और यातना सहने को तैयार हैं। नवरूज़ और प्रकृति के अभिनव बदलाव का मौसम एक आमंत्रण है - आत्मा की शक्तियों को नई ऊर्जा देने तथा हृदय और चेतना से जुड़े विषयों पर नए सिरे से विचार करने का। यह बेहतर होगा कि इस वासंतिक ऋतु में, जो आध्यात्मिक बदलाव का एक बाह्य प्रतीक है, आप अपने मित्रों, पड़ोसियों, परिचितों, सहकर्मियों और अन्य समान विचार वाले लोगों से बातचीत में मिल बैठकर यह विचार करें कि लोगों के भौतिक और आध्यात्मिक हित के कार्यों

में और एक ऐसा समाज बनाने में किस तरह बेहतर से बेहतर योगदान किया जाए, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति की प्रतिभा जाति, वर्ग, नस्ल और लिंग के भेदभाव के बिना पल्लवित-पुष्पित हो सके। साथ मिलकर विचार करें कि अस्तित्व जगत और मानव-जगत का सच्चा उद्देश्य क्या है ? विविधता में एकता के सिद्धांत पर आधारित समाज का सौन्दर्य कैसा होगा ? आत्मा की उस अनिवार्य विभूति पर विचार करें जो व्यक्ति को दूसरों की प्रसन्नता से प्रसन्न होने में सक्षम बनाती है। अत्याचारियों को ईश्वर के हाथों में छोड़ दीजिए और बहाउल्लाह के इन शब्दों का स्मरण कीजिए - "ओ धरती के अत्याचारियों ! शोषण और अन्याय से अपने हाथ खींच लो, क्योंकि मैंने किसी भी व्यक्ति के अन्याय को न बख्शने का संकल्प लिया है।" विश्व के कल्याण और राष्ट्रों की प्रसन्नता के लिए, अपनी विपत्तियों से अपना ध्यान हटाकर, प्रभुधर्म की केन्द्रीय विभूतियों के जीवन का अनुसरण करते हुए और अपने उन आध्यात्मिक अग्रजों की उस मिसाल का अनुकरण करते हुए, जिसे आप भी पिछले लगभग तीस वर्ष से धैर्यपूर्वक सहते आ रहे हैं। अपने इस प्रेरक बलिदान में धैर्यपूर्वक दृढ़ बने रहें और एक नए विश्व और ईरान के निर्माण में अपनी भागीदारी निभाएँ जो संगठित, समृद्ध और स्वतंत्र हो।

पावन समाधि पर हमारी प्रार्थनाएँ आप में से हर एक के साथ हैं।

-विश्व न्याय मन्दिर